



ØYVIND KVALNES

# YTRINGSKLIMA

2. utgave

# Innhold

|  |     |
|--|-----|
| <b>Innledning</b> .....                    | 7   |
| 1. <b>Makt og mening</b> .....             | 11  |
| 2. <b>Morgenheisen</b> .....               | 21  |
| 3. <b>Kritiske kvalitetsøyeblikk</b> ..... | 31  |
| 4. <b>Tilskuereffekten</b> .....           | 39  |
| 5. <b>Bekreftelsesfellen</b> .....         | 47  |
| 6. <b>Sagt og usagt</b> .....              | 57  |
| 7. <b>Psykologisk trygghet</b> .....       | 65  |
| 8. <b>Ytringstid</b> .....                 | 75  |
| 9. <b>Hjelp!</b> .....                     | 83  |
| 10. <b>Flørt</b> .....                     | 91  |
| 11. <b>Sint på jobb</b> .....              | 101 |
| 12. <b>Ytringsetikk</b> .....              | 109 |
| 13. <b>Digitale dilemmaer</b> .....        | 119 |
| 14. <b>Moralsk nøytralisering</b> .....    | 129 |
| 15. <b>Varsling</b> .....                  | 141 |
| 16. <b>Når det haster</b> .....            | 151 |
| 17. <b>Best på ytringsklima</b> .....      | 161 |

INNHold

|   |     |
|---|-----|
| 18. <b>Filosofisk førstehjelp</b> .....         | 167 |
| 19. <b>Hvordan skrive om ytringsklima</b> ..... | 177 |
| <b>Litteratur</b> .....                         | 187 |
| <b>Stikkordregister</b> .....                   | 193 |